Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding adverse impact of COVID-19 on women workers' employment in the country.

*__SHRIMATI PRAMILA BISOYI (ASKA):__ Hon'ble Speaker Sir, thank you for giving me this opportunity. Sir, through you, I would like to draw the attention of Hon'ble Minister to an observation made by the Centre for Monitoring Indian Economy. As per this observation, in 2019-2020, women labourers constituted 11 percent of the total workforce in the country. At the beginning of the pandemic 14% women lost their jobs. By November 2020, the figure went up to 50%. Subsequently male labourers got their jobs, but females did not. Hence, they are forced to work as farm labourers and domestic helps. The Centre for Monitoring Indian Economy has indicated that Pandemic has adversely impacted the women workers and further studies needs to be undertaken to get the factual picture.

माननीय अध्यक्ष : यह भारत का लोकतंत्र है, जहाँ पर प्रमिला जी जैसी माननीय सदस्या हैं, मैंने व्यक्तिगत रूप से बुलवा कर उनसे आग्रह किया कि आप सदन में बोलो । उन्होंने कहा कि मैं उड़िया भाषा जानती हूं, उसके अलावा दूसरी भाषा नहीं जानती हूं । मैंने स्टेनो को बुला कर लिखवाया । प्रमिला जी का आग्रह रहता है कि मैं रोज सदन में बोलना चाहती हूं । यह देश का लोकतंत्र है ।

श्रीमती क्वीन ओझा ।

… (व्यवधान)

श्री भर्तृहरि महताब (कटक): सर, उनका प्रसंग यह था - कोविड-19 के बाद बेरोज़गारी । उनका कहना था कि पुरुष लोग तो नौकरी पर लग गए, परंतु

महिलाएं, जिनकी नौकर छूट गई, वे घर पर चली गईं, नहीं तो फार्मिंग में रह गईं । यह उनका प्रसंग था ।

माननीय अध्यक्ष : प्रमिला जी कितने सेल्फ हैल्प ग्रुप चलाती हैं?

श्री भर्तृहरि महताब : वे तो पूरे गंजाम जिले की मुखिया हैं और सबसे ज्यादा सेल्फ हैल्प ग्रुप ये चला रही हैं ।

माननीय अध्यक्ष : यह भी बता दो कि वे पढ़ी-लिखी कितनी हैं ।

श्री भर्तृहरि महताब : सर, वे ज्यादा पढ़ी-लिखी नहीं हैं ।

माननीय अध्यक्ष : लेकिन उस प्रदेश के अंदर कितनी महिलाओं को रोज़गार देती हैं, उस अविकसित के इलाके अंदर, यह उनकी विशेषता है, इसलिए हम उनको धन्यवाद देते हैं ।

श्री अर्जुन राम मेघवाल: अध्यक्ष जी, यह भारत का लोकतंत्र है, लेकिन आपकी पहचान की भी हम दाद देते हैं कि आपने उनकी क्षमता को पहचाना ।

माननीय अध्यक्ष: ये बहुत सारी महिलाओं को रोज़गार देती हैं ।

श्रीमती क्वीन ओझा जी ।